

तद्यज्ञमानो ऽग्नौ प्रदधाति TS. 2,3,9. आयुः प्रवानो प्रदध्यात्प्रमायुकाः स्युः KĀṬH. 28,1. — Das so häufig vorkommende partic. प्रहित *abgesandt, abgeschossen, gerichtet auf* ist ohne Zweifel auf हि zurückzuführen; desgl. संप्रहित. Vgl. प्रधान. — caus.: (प्रभया चमूः) दिशश्चतस्रः सहसा प्रधापिता MBh. 9,1074; wohl nur fehlerhaft für प्रधाविता.

— प्रति 1) ansetzen, wieder ansetzen, einsetzen; wiederherstellen; geben, wiedergeben (mit loc. oder dat.): यथा भसतः शिरः प्रतिदध्यात् *wie wenn man den Kopf an die Stelle der Scham setzte* ÇAT. Br. 4,9, 3,3. 3,4,4,26. तर्दमे चतुः प्रति धेहि रेमे RV. 10,87,12. इडां सर्वे प्रत्यधत्तम् 1,116,15. 118,8. ÇAT. Br. 4,1,5,15. 14,1,1,18. fgg. med. 7,4, 2,5. — प्रति यदस्य वज्रं बाह्यैर्धुः RV. 2,20,8. कस्तां वज्रः प्रति धायि 8,59,2. आत्मानं होता प्राणान्प्रतिधाय वाचं विसृजते AIT. Br. 2,21. रा-ज्यमेवास्मिन्प्रतिदधाति TBh. 4,7,4,2. प्रति म एतद्धत येन मे यूपमुदक-मिष्ट ÇAT. Br. 8,1,4,3. 2,1,12. 4,1,7. TS. 5,3,13,1. सप्त ऋषयः प्रतिहि-ताः शरीरे VS. 34,55. एतं वो युवानं प्रति दध्मो (richtiger परि ददामसि TS. 3,3,9,1) अत्र AV. 9,4,24. सो ऽस्यायमात्मा (अयमितर आत्मा bei ÇĀṆK. zu Brh. Âr. Up. p. 307) पुण्येभ्यः कर्मभ्यः प्रतिधीयते *tritt für die heiligen Werke an seine Stelle* AIT. Up. 4,4. — 2) anlegen (den Pfeil), zielen: स इदं प्रति धादस्यन् RV. 6,3,5. इषुर्न धन्वन्प्रतिधीयते 9, 69,1. 1,135,2. मा शकन्प्रतिधामिषुम् AV. 8,8,20. med. VS. 16,22. LĀṬJ. 3,10,7. 8. प्रतिहिता (mit Ergänzung von इषु) der angelegte Pfeil RV. 10,103,3. AV. 6,90,3. 11,2,1. ÇĀṆK. Br. 6,1. — 3) ansetzen (zum Trin-ken): इन्द्रो मदाय प्रति धात्पबधे RV. 4,27,5. — 4) aufsetzen (den Fuss): अये पादा प्रतिधातवे RV. 4,24,8. सर्वेः पदिः प्रतिदधत्पलयेत *mit allen Fieren aufsetzend d. h. ausgreifend* ÇAT. Br. 13,3,3,1. PĀṆ-ĀV. Br. 24,4,5. — 5) darreichen, anbieten: यथा कुमाराय ज्ञाताय स्तनं प्रतिदध्यात् AIT. Br. 5,3,1. 6,29. — 6) anwenden: दुष्टदेवतनाशाय वज्रो ध्यानसमाधिना । सर्वत्रान्तवितेपाच्छात्तिकं प्रतिधास्यति ॥ ÇAT. 14, 245. — 7) med. anheben, anfangen: प्रति स्तोमं दधीमहि तुराणाम् RV. 7,40,1. 73,1. प्रति वो स्तोमो अथापि 1,183,6. ऊर्ध्वं धीतिः प्रत्यस्य प्र-यामन्यधायि 119,2. pass.: अहानि शं भवतु नः शं रात्री प्रति धीयतां शुमु-पा नो व्युच्छतु *die Nacht breche an, trete ein* AV. 7,69,1 (vgl. VS. 36, 14, wo रात्रीः gelesen wird, was nicht mit MAU. als pl. anzusehen ist). सुग्रीष्मः प्रतिधीयतां (Schol. संपद्यताम्) नः PĀṆ. GRHJ. 3,2.

— अनुप्रति *nach einem Andern darreichen*: तं प्रतिधीयमानमवाध-मनुप्रतिधीयते AIT. Br. 5,31.

— वि 1) vertheilen, austheilen; mittheilen, verleihen, Jmd Etwas zukommen lassen, verschaffen: नूनं देवेभ्यो वि हि धाति रत्नम् RV. 2, 38,1. 7,17,7. 34,22. 79,3. शंसोत्युक्थं यजते व्यू धाः 4,6,11. 10,71,3. 85, 19. वि होत्रा दधे वयुनाविदेकः 5,81,1. आयुर्ज्ञो वि दधत् AV. 18,4, 52. वासः 14,1,53. RV. 4,72,7. तौग्याय पेरुर्वि मध्ये अर्णोसो धायि पञ्चः 138,2. श्रीश्च प्रज्ञा च विधेहि नः PRAÇOP. 2,13. राज्ञो दशरथस्यापि स पुत्रानभिकाङ्क्षितान् । विधास्यते (GORR. °धास्यति) R. 1,8,27 (GORR. 28). तद्विधत्स्व मे (भोजनम्) R. 4,82,22. मिथ्यासौ विहितेन्द्रियः BHATT. 5,19. हेतुनानेन नामरत्नं विधीयते MBh. 1,7610. स्वतेजो व्यदधच्छ्रे 3,8723. त-स्य तस्याचलो अद्भो तामेव विदधाम्यहम् BHAG. 7,21. विधीहि विद्याधिप मङ्गलानि TRK. 1,1,1. सिंक्लम् Löwennatur verleihen, in einen Löwen verwandeln RAGU. 2,38. तन्नो देवा विधेयामुर्धनं — सयत्नाश्चाधिज्ञायाम्

III. Theil.

संयामे च मृषीमहि BHATT. 19,2. कामान् Jmds Wünsche gewähren, er-füllen: एको बहूनां यो विदधाति कामान् KĀṬHOP. 5,13 (= ÇVETĀÇV. Up. 6,13). RAGH. ed. Calc. 1,82. विदधे कामान् R. 4,53,1. सर्वकामैः सुविक्रितैः MBh. 3,3024. विधास्यामो वयं तत्र तवेष्टिम् 10448. स्वच्छन्दो ऽत्र विधी-यताम् R. 1,39,14. आत्मनः *sich verschaffen, sich bereiten*: विदधाति नि-धिं श्रेष्ठं पारलौकिकमात्मनः MBh. 13,3209. — 2) verbreiten: चन्द्रेव भानुं वि दधे पुरुत्रा RV. 3,61,7. 10,125,3. वि सन्नान्युर्विषा सुक्रतुर्धात् 6,30,2. को अस्मिन्नापो व्यदधात् AV. 10,2,11. — 3) eintheilen, ordnen; (ordnend) machen: कं स्वदासो कतमा पुराणी यया विधानो विदधुर्भू-णाम् RV. 4,31,6. 35,2. वि ये दधुः शरदं मासमादकः 7,66,11. 10,85,18. 1,95,3. TAITT. ÂR. 1,23,14. यत्पुरुषं व्यदधुः कतिधा व्यकल्पयन् RV. 10,90,11. दशधात्मानं विधाय TBh. 2,2,4,1. त्रेधा विधीयते *theilt sich in drei Theile* KĀṆD. Up. 6,3,1. त्रेधा विक्रितः AV. 18,4,11. अक्रुरात्रे 12,1,52. ऋतवः 36. मासधा संवत्सरो विक्रितः AIT. Br. 3,41. 6,29. केनेयं भूमिर्विक्रिता AV. 10,2,24. वेदिः 11,1,23. तेषामिष्टानि विक्रितानि धाम्नाः RV. 4,164,15. सप्तविधमग्निं विदधाति (वेद्याम्) ÇAT. Br. 10,2,3. 4. आत्मानं विदधान एत् 18. एष इदं सर्वं विदधाति सधौ बदसधौ वत् 2,6,3. 8. 9,5,1,35. पुरुषविधि विधाय 12,5,1,13. याथातथ्यतो ऽर्धान्य-दधाच्छास्त्राभ्यः समाभ्यः IÇOP. 8. मांसं विदधानं व्याधं दष्टा *zertheilend* ÇUK. in LA. 41,7. — 4) anordnen, vorschreiben, festsetzen, bestimmen: हेमो विधीयते GOBH. 4,1,23. ते यद्विदध्युस्तत्कुपेदिष धर्मो विधीयते ÇĀṆK. GRHJ. 2,16. 17. ब्राह्मणविक्रितः LĀṬJ. 10,10,5. KĀṬJ. ÇR. 24,1,5. अर्थकामिषसक्तानां धर्मज्ञानं विधीयते M. 2,13. प्राङ्गभिर्वर्धनात्पुंसो ज्ञात-कर्म विधीयते 29. 65. 174. 190. 241. 3,19. 121. 5,43. 59. 61. 118. 8. 290. शिपाविदलरज्ज्वायैर्विदध्यात्पतिर्दम् 9,230. JĀG. 1,72. 2,53. 165. स्व नुगमेपु देशेषु रत्ना वै व्यदधाततः MBh. 1,4503. ईश्वरो विदधातीह क-ल्पाणां यच्च पापकम् 3,1141. विदधाति विभज्येह फलं पूर्वकृतं नृणा-म् 1222. यच्चान्यदपि कर्तव्यं तद्विधत्स्व 2,2567. HARIV. 10449. विद्यतां भगवानतम् MBh. 3,12191. विक्रितं यत्सुरार्षिभिः 13,1572. PĀṆKAT. 1, 217. VEDĀNTAS. (Allah.) No. 12. Schol. zu Kap. 1,16. Einl. zu GĀIM. DAÇAK. in BENF. Chr. 181,4. 185,6. स्वशब्देन यत्र गुणवद्दी विधी-यते Schol. zu P. 1,1,3. 54. KĀÇ. zu P. 1,2,33. नाकाले विक्रितो मृत्युर्मु-र्त्यानाम् N. 11,7. विद्यते स्वेन वीर्येण श्रेयो धर्मादिलक्षणम् BHĀG. P. 4. 7,24. श्रूयस्व तु सर्वानव नान्या भार्या विधीयते M. 9,157. देशो वि-धीयताम् — यत्र वत्स्यामेकं वयम् R. 4,50,4. ये द्वे (Sonne und Mond, कालं विधत्तः ÇĀK. 1. संकेतकं त्रियामापो ततोपि प्रहरे व्यधात् KĀTHĀS. 4, 39. एकः शरावः सन्नानमेकः प्रत्यहम्भसः । शकटालस्य तत्रातः — व्य-धीयत KĀTHĀS. 4,122. वृत्तिम् Jmd den Lebensunterhalt bestimmen, fest-setzen, sichern M. 9,74. 75. HIT. 1,171. तथा विक्रितवृत्तिः RĀGA-TAR. 5. 77. मृगमीनसंज्ञनानां तृणजलसंज्ञाविक्रितवृत्तीनाम् BHART. 2,51. यथा देवैः स मे भर्ता विक्रितः *zum Gatten bestimmt* N. 5,19. BRĀHMAN. 1,25. 26. MBh. 5,7309. यज्ञशिष्टाशनं ह्येतत्सतामन्नं विधीयते *gilt für* M. 3,118. लवणं कटुकं क्वेदि विक्रितं कटुं वोच्यते SUÇR. 1,227,9. — 5) schaffen, bilden, gründen, bauen, errichten, anlegen: यो ब्रह्माणं विदधाति पूर्वम् ÇVETĀÇV. Up. 6,18. तं वेधा विदधे नूनं महाभूतसमाधिना RAGH. 1,29. अङ्ग-नि चम्पकदलैः स विधाय धाता ÇRĀGĀT. 3. HARIV. 7871. (रथे) मनसा विक्रिते MBh. 3,7130. तं द्वीपं मकरावासं विक्रितं विश्वकर्माणा 1,1305. सारसेनापि विक्रितं रम्यं कौञ्चपुरं मरुत् HARIV. 5231. शक्रेण विक्रितं उ-

58\*